



## NEWS इन ब्रीफ

मुहरम सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की अपील हुसैनाबाद। मुख्यमंथन धर्मवर्लाभियों का पर्व मुर्दम के द्वारा शान्ति, भाईचारा व विधि-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए देवरी औपी परिसर में आपी ग्रन्थार्थी इदंवर राम की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक की गई। बैठक का संचालन पंचायत समिति सदस्य अधित कुमार सिंह ने किया। मौके पर उपस्थित जिला परिषद सदस्य राजू मेहता ने कहा कि मुहरम इस्लाम धर्म का पवित्र त्वावाह है। मुहरम का पर्व शान्ति गंगा से संपाद हो इस पर बैठक में लोगों ने पुलिस गश्ती करने वा असामाजिक तत्वों पर निरानी रखने सहित कई सुशाव दिए। मौके पर देवरी कला मुख्यावान मनज भारती, समाजसेवी रामाशंकर चौधरी, इफान खान, आशु खान, पंसंग राजवंश यादव, रमेश चंद्र मेहता समेत कई प्रबुद्ध गण मौजूद थे।

# आपातकाल में सरकार को अच्छी पहल लेने की जरूरत जिले में 344.7 मिलीमीटर 130 एमएम बारिश, धान की रोपनी शून्य

नवीन मेल संवाददाता

मनातू। वर्ष 2022 - 23 में अल्पत कम वर्ष के कारण खरीफ एवं रबी फसलों के उत्पादन पर बहुत ही बुरा असर पड़ा है। परिणाम स्वरूप झारखंड सरकार द्वारा संपूर्ण पलामू जिले को सुखाड़ क्षेत्र घोषित किया गया था वयं पुस्तकाड़ प्रबंधन के नाम पर राज्य सरकार द्वारा काइं कारंवाई नहीं की गई। कम वर्ष के कारण जलस्तर भी नीचे चला गया। जिले वासियों एवं प्रखंड वासियों के समक्ष पेयजल की धोर समस्या उत्पन्न हो गई है। वर्ष 2022 - 23 के सुखे का दृश्य थें रहे पर्याप्त के किसान अभी तक उभर नहीं पाये हैं कि वर्तमान वर्ष में मानसून ने एक बार फिर धोखा दे दिया है। धान का बिजड़ा 1 करने का उचित समय आदा नक्शर है। आदा नक्शर समाप्त हुए 30 दिन हो गए परंतु जिले में अभी तक उभर नहीं हो रहे।



## रेहला थाना में शांति समिति की बैठक

## सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहरम जुलूस निकालने का निर्णय



नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। रेहला थाना परिसर में मुहरम पर्व को लेकर आज शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बीड़ीओ प्रशांत कुमार हेंबंग और संचालन प्रान्दललाल शुक्ला ने किया। बैठक में दोनों सुपुत्रों के गणमान्य लोगों ने शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहरम पर्व को मनाने का निर्णय लिया। बीड़ीओ प्रशांत कुमार हेंबंग ने कहा कि मिलजुल कर पर्व खौहाह मनाने से उसका महत्व और बढ़ जाता है। इसलिए आपीओ भाईयों के बीच ही मुहरम का फेरबदल नहीं किया जायेगा। कुमार हेंबंग ने कहा कि मिलजुल कर पर्व खौहाह मनाने से समय जुलूस निकालने और समय महत्व और बढ़ जाता है। इसलिए आपीओ भाईयों के बीच ही मुहरम पर्व पर आरेश तिवारी, अधिकारी सुधीर चौधरी, डॉ बीपी शुक्ला, दिनेश शुक्ला, ज्वाला गुप्ता, एनमुल हक गुड़, मण्डुमुरीन कादरी सहित दोनों समयों के साथ साझा करें, ताकि उसपर समय रहते कारंवाई किया जा सके।

सके विसे पुलिस असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखेगी शांति भंग करने वालों को बचाना नहीं जायेगा। बैठक में बीस सूत्री अध्यक्ष रामचंद्र दीक्षित, वरीय बसपा नेता गोपाल राम, मनीष राम, नजरदून नायर, नजरदून नायर, मनजदूर नेता मनोज शुक्ला, ब्रजराज चौधरी, प्रो फरीद खान, गयासुदीन अंसारी, रामनवीर पूजा कोटोरी के अध्यक्ष आलोक शुक्ला, मनोहर पासवान, मुख्यावा राधाकृष्ण साव, रविंद्र पांडेय, पूर्व मुख्यावा गणेश सिंह, भाजपा मंडलाध्यक्ष अपरेश तिवारी, अधिकारी सुधीर चौधरी, डॉ बीपी शुक्ला, दिनेश शुक्ला, ज्वाला गुप्ता, एनमुल हक गुड़, मण्डुमुरीन कादरी सहित दोनों समयों के कई लोग मौजूद थे।

## निर्माण कार्य पूर्ण होने से पहले ही दरक गयी तोलरा खेल घेंजिंग रूम की दीवार

प्रमुख ने कार्यस्थल निरीक्षण कर दीया की

विश्रामपुर। पलामू जिला अंतर्नाल विश्रामपुर प्रखंड के तोकारा ग्राम पंचायत में बन रहे खेल घेंजिंग रूम का कार्य पूर्ण होने से पहले ही उसकी सभी दीवार दरक गयी और एक तरफ की दीवार गिर गई थी।

जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न

झानुमो ने हिन्दू न्यास बोर्ड को सौंपा ज्ञापन

## धार्मिक व पुरातात्विक स्थलों के सौंदर्यकरण व पर्यटक स्थल बनाने की मांग



नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिला का भारत सरकार व झारखंड सरकार के विभिन्न धार्मिक व सभावित पर्यटक स्थलों के भ्रमण पर आये झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड के सदस्य को झानुमो के पलामू जिला संगठन संचय विवेकानंद सिंह ने ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि पूर्व से घोषित पर्यटक स्थल हैं देवराम प्रखंड के अंतर्गत आवागमन होता आया है। देवी धाम में पर्यटक वर्ष के लिये विस्तारीकरण व अन्यतर अवधारणा की जाएगी। उन्होंने यहां सौंदर्यकरण कर आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। वहीं प्रखंड के लिये विवेकानंद सिंह के द्वारा जिले के सभावित स्थलों के भ्रमण पर आये झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड के बारे में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि पूर्व से घोषित पर्यटक स्थल हैं देवराम प्रखंड के अंतर्गत आवागमन होता आया है। देवी धाम में पर्यटक वर्ष के लिये विस्तारीकरण व अन्यतर अवधारणा की जाएगी। उन्होंने यहां सौंदर्यकरण कर आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। वहीं प्रखंड के लिये विवेकानंद सिंह के द्वारा जिले के सभावित स्थलों के भ्रमण पर आये झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड के बारे में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि पूर्व से घोषित पर्यटक स्थल हैं देवराम प्रखंड के अंतर्गत आवागमन होता आया है। देवी धाम में पर्यटक वर्ष के लिये विस्तारीकरण व अन्यतर अवधारणा की जाएगी। उन्होंने यहां सौंदर्यकरण कर आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। वहीं प्रखंड के लिये विवेकानंद सिंह के द्वारा जिले के सभावित स्थलों के भ्रमण पर आये झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड के बारे में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि पूर्व से घोषित पर्यटक स्थल हैं देवराम प्रखंड के अंतर्गत आवागमन होता आया है। देवी धाम में पर्यटक वर्ष के लिये विस्तारीकरण व अन्यतर अवधारणा की जाएगी। उन्होंने यहां सौंदर्यकरण कर आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। वहीं प्रखंड के लिये विवेकानंद सिंह के द्वारा जिले के सभावित स्थलों के भ्रमण पर आये झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड के बारे में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि पूर्व से घोषित पर्यटक स्थल हैं देवराम प्रखंड के अंतर्गत आवागमन होता आया है। देवी धाम में पर्यटक वर्ष के लिये विस्तारीकरण व अन्यतर अवधारणा की जाएगी। उन्होंने यहां सौंदर्यकरण कर आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। वहीं प्रखंड के लिये विवेकानंद सिंह के द्वारा जिले के सभावित स्थलों के भ्रमण पर आये झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड के बारे में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि पूर्व से घोषित पर्यटक स्थल हैं देवराम प्रखंड के अंतर्गत आवागमन होता आया है। देवी धाम में पर्यटक वर्ष के लिये विस्तारीकरण व अन्यतर अवधारणा की जाएगी। उन्होंने यहां सौंदर्यकरण कर आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। वहीं प्रखंड के लिये विवेकानंद सिंह के द्वारा जिले के सभावित स्थलों के भ्रमण पर आये झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड के बारे में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि पूर्व से घोषित पर्यटक स्थल हैं देवराम प्रखंड के अंतर्गत आवागमन होता आया है। देवी धाम में पर्यटक वर्ष के लिये विस्तारीकरण व अन्यतर अवधारणा की जाएगी। उन्होंने यहां सौंदर्यकरण कर आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। वहीं प्रखंड के लिये विवेकानंद सिंह के द्वारा जिले के सभावित स्थलों के भ्रमण पर आये झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड के बारे में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि पूर्व से घोषित पर्यटक स्थल हैं देवराम प्रखंड के अंतर्गत आवागमन होता आया है। देवी धाम में पर्यटक वर्ष के लिये विस्तारीकरण व अन्यतर अवधारणा की जाएगी। उन्होंने यहां सौंदर्यकरण कर आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। वहीं प्रखंड के लिये विवेकानंद सिंह के द्वारा जिले के सभावित स्थलों के भ्रमण पर आये झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड के बारे में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि पूर्व से घोषित पर्यटक स्थल हैं देवराम प्रखंड के अंतर्गत आवागमन होता आया है। देवी धाम में पर्यटक वर्ष के लिये विस्तारीकरण व अन्यतर अवधारणा की जाएगी। उन्होंने यहां सौंदर्यकरण कर आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। वहीं प्रखंड के लिये विवेकानंद सिंह के द्वारा जिले के सभावित स्थलों के भ्रमण पर आये झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड के बारे में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि पूर्व से घोषित पर्यटक स्थल हैं देवराम प्रखंड के अंतर्गत आवागमन होता आया है। देवी धाम में पर्यटक वर्ष के लिये विस्तारीकरण व अन्यतर अवधारणा की जाएगी। उन्होंने यहां सौंदर्यकरण कर आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। वहीं प्रखंड के लिये विवेकानंद सिंह के द्वारा जिले के सभावित स्थलों के भ्रमण पर आये झारखंड हिन्दू न्यास बोर्ड के बारे में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि पूर्व से घोषित पर्यटक स्थल हैं देवराम प्रखंड के अंतर्गत आवागमन होता आया है। देवी धाम में पर्यटक वर्ष के लिये विस्तारीकरण व अन्यतर अवधारणा की जाएगी। उन्होंने यहां सौंदर्यकरण कर आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। वही

## NEWS इन ब्रीफ

मुहर्रम को लेकर  
शहर थाना में शांति  
समिति की बैठक



मेदिनीनगर। शहर थाना परिसर में थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा, व सदर एसडीओ राजेश कुमार साह की संयुक्त अध्यक्षता में मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय जनप्रति धिक्षित आमतोग उपस्थित थे।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा ने कहा की हम सभी हर वर्ष मोहर्रम का त्योहार शान्तिपूर्ण वातावरण में मनाते हैं। इस बार भी शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। वहाँ मौके पर उपस्थित एसडीओ राजेश कुमार साह ने लोगों से अपील की कि सार्वजनिक रूप से शांति पूर्वक जुलूस निकलना है। आपसी भाईचारा से मोहर्रम को मनाना है। एक दूसरे से किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखनी है।

मोहर्रम पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहेगी। हर जगह पुलिस की पैनी नजर रहेगी। असामाजिक तत्वों पर पुलिस प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। हुड़गंग मचाने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मौके पर उपस्थित सदर एसडीओ और ब्रह्मधर्म गण ने कहा कि मोहर्रम का त्योहार हिंदू मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग मिलजुल कर मनायें और आपसी भाईचारी का परिचय दें। पर्व के दौरान विद किसी प्रकार की दिव्यांग या परेशानी हो तो पुलिस को तुरत सूचियां करें। त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

## फरियादियों की लगी भीड़, डीसी ने समाधान का दिया आश्वासन

जनता दरबार का बढ़ता जा रहा है क्रेज, असाधार्यों के लिए उम्मीद



नवीन मेल संवाददाता उपायुक्त अंजेनेयुलु ने मंगलवार को समाधानालय स्थित सभाकार में जनता दरबार का कार्यालय किया। जिसमें उन्होंने लोगों की समस्याएं को बारी-बारी से सुना और निष्पादन के लिए संबोधित पदाधिकारी को निर्देश दिया। जनता दरबार में भूमि सीमांकन, भूमि विवाद, राशन, अवैध कब्जा, रस्ता बंद हो जाने, मुआवजा, आदि समस्याओं को लेकर लोग उपस्थित हुए। जनता दरबार में शाहपुर से आये राजन कुमार ने बताया कि नगर निगम के सरकारी व्यवसाय वाहन से उनका बहन वी तुरंटना हो गयी है।

जिसके बाद निगम के कर्मचारी ने इलाज का खर्च उठाने की बात कही थी लेकिन अब विभाग द्वारा इलाज में खर्च की जाएगी कि उनके पाति की हत्या गोली मारकर 1 दिसंबर 2022 को कर दी गयी थी।

विभिन्न मामलों को लेकर कई दिये गए जो खर्च हो गये अतः उन्होंने उपायुक्त से निगम के कर्मचारी से इलाज में खर्च होने वाले पैसा दिलवाने का आग्रह किया। इसी तरह जनता दरबार में आये काजल कुमारी ने उपायुक्त को बताया कि उनके पाति की हत्या गोली मारकर 1 दिसंबर 2022 को कर दी गयी थी।

जिसके पश्चात वह असहाय हो गयी है। उसने उपायुक्त से बच्चों के भरण-पोषण करने व रहने के लिये आवास की मांग की। इस पर उपायुक्त ने डीडीओ को उक महिला को आवास की स्वीकृति हेतु निर्णय लिया। विभिन्न मामलों को लेकर कई

बीडीओ-सीओ को किया फोन : जनता दरबार में आये विभिन्न फरियादियों के मामलों के निष्पादन हेतु उपायुक्त ने सदर सीओ, अंजेनेयुलु, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी कामेश्वर बेदिया, तरहान सीओ, डीएमओ संबंध विभिन्न अचलाधिकारी संबंध कई कर्मचारियों को अॅन स्पॉट फोन कर मामलों का तेज गति से निष्पादित करने हेतु निर्देश दिया। कालेज के छात्र छात्राओं को बाल छात्र वाल ऊचा करने, बसात के दिनों में शब जलाने हेतु बाहर में बड़ा शोध तथा जलाने की विवरण दिया गया। इस बारे में बच्चों के स्वायत नियम का विवरण दिया गया। इस बारे में बच्चों के भरण-पोषण करने व रहने के लिये आवास की मांग की। इस पर उपायुक्त ने डीडीओ को उक महिला को आवास की स्वीकृति हेतु निर्णय लिया। विभिन्न मामलों को लेकर कई

द्वारा नुत्र गांव कर अतिथियों का स्वायत किया गया एवं उपरान्त स्वरूप एक एक पौधा दिया। कार्यक्रम के उपरान्त डीएमओ, जिला परिषद सभ्यक, जेम्पाएस जिल उपायक्ष, कालेज के प्राचार्य सहित सभी लोगों एवं सभी विद्यार्थियों द्वारा कालेज परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

## अंतिम धाम स्वच्छ व सुंदर रखें : प्रथम महापौर

## नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राजा हरिश्वर घाट में चल रहे कार्यों का निरीक्षण करने हुए मंगलवार को प्रथम महापौर अरुण शंकर ने कहा कि संवेदक इसका निष्पादन कार्य कर्त्तव्य खस्त करे। कार्यों का विवरण हो चुका है। प्रथम महापौर ने बताया कि मैंने माननीय संसद बीड़ी राम से अनुरोध कर निगम में उनके कोटे की राशि से अपने कार्यकाल में इस घाट का बाउंड्री वाल ऊचा करने, बसात के दिनों में शब जलाने हेतु बाहर में बड़ा शोध तथा जलाने की विवरण दिया गया।



रही संस्था पलामू चेंबर ऑफ कॉर्मस एंड इंडस्ट्रीज के सदस्य भी प्रथम महापौर एवं सदस्यों ने प्रशंसा की। मैंके पर चेंबर सदस्य रिंकु दुबे, राजेव उपायक्ष, अनवर, मनोज भिवानीया, प्रेम जयसवाल, सुरील गुप्ता तथा निगम के एसडीओ द्वेष के अलावे मुहल्ले के लोग उपस्थित थे।

## राजकीय बुनियादी विद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम



हमारा ये वातावरण है। पौधारोपण धरती मां और प्रकृति माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का तरीका है, हम इस माध्यम से मां धरती को हमें दिये हर बस्तु के लिये धन्यवाद कर सकते हैं। पूर्वी पर जल है तभी जीवन है उनके हाथ दिया है क्योंकि वहाँ पेड़, पौधे और पर्यावरण है। जिसको कार्यक्रम से अनुकूल बनाने एवं आदेश दिया जाएगा। तथा उसके साथ जल इसका विवरण है कि हम धरती मां धरती को कुछ देखते हैं तभी जीवन है उनके हाथ दिया है क्योंकि वहाँ पेड़, पौधे और पर्यावरण है। जिसको कार्यक्रम से अनुकूल बनाने एवं आदेश दिया जाएगा।

## बाजार व्यवसायी एकता मंच ने लिया आर-पार की लड़ाई का निर्णय

## नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बाजार व्यवसायी एकता मंच की आपातकालीन बैठक बुलाई गई। इस बैठक के मुख्य अतिथि हिंदू न्यास बोर्ड के चेयरमैन संजीव तिवारी उपस्थित थे। सचालन मच के कुमार गौरव ने किया। सब्जी बाजार स्थानांतरण के लेकर मंच के द्वारा पलामू उपायुक्त, पलामू पुलिस अधीक्षक, पलामू नगर आयुक्त, सदर अनुरूपल विवरण के लिए एवं पुलिस प्रशासन सभी को कई बार जापन दिया गया। अंततः मंच के द्वारा व्यवसायी एकता मंच की विवरण के लिए एवं उपरान्त नियम दिया गया। अंततः मंच के द्वारा व्यवसायी एकता मंच की विवरण के लिए एवं उपरान्त नियम दिया गया।



तत्काल न्यास बोर्ड पदाधिकारी से संपर्क करते हुए एवं उपरान्त नियम दिया गया। इस पर कार्रवाई को नहीं हुई। जबकि नगर आयुक्त पिछले महीने ही इस पर एवं समाज के दिए गए विवरण के लिए एवं उपरान्त नियम दिया गया।

सभी व्यवसायियों को आश्वासन दिया कि आप चिंता नहीं करें जल्द से जल्द करवाई होगी। इस बैठक में सदर तिवारी, विवरण के लिये आवास की विवरण दिया गया। अप्रैल के लिये एक बाजार व्यवसायी एकता मंच ने अपने कार्यक्रम के लिये आवास की विवरण दिया गया। इस बारे में बच्चों के विवरण के लिये आवास की विवरण दिया गया। इस बारे में बच्चों के विवरण के लिये आवास की विवरण दिया गया।

## अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का उद्घाटन



मेदिनीनगर। छतरपुर नगर पंचायत स्थित पांच पांडव वार्ड क्षेत्र संख्या 11 में मुख्यतः नगर पंचायत के लोगों को समर्पित सोमवार को अर्बन हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर का उद्घाटन कार्यपालक कामेश्वर पर दिया गया। अंचल के लोगों को भरपूर प्रशासन द्वारा उपलब्ध किया गया। अंचल के लोगों को भरपूर प्रशासन द्वारा उपलब्ध किया गया। अंचल के लोगों को भरपूर प्रशासन द्वारा उपलब्ध किया गया। अंचल के लोगों को भरपूर प्रशासन द्वारा उपलब्ध किया गया।

मेदिनीनगर। छतरपुर नगर पंचायत स्थित पांच पांडव वार्ड क्षेत्र संख्या 11 में मुख्यतः नगर पंचायत के लोगों को समर्पित सोमवार को अर्बन हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर का उद्घाटन कार्यपालक कामेश्वर पर दिया गया। अंचल के लोगों को भरपूर प्रशासन द्वारा उपलब्ध किया गया। अंचल के लोगों को भरपूर प्रशासन द्वारा उपलब्ध किया गया। अंचल के लोगों को भरपूर प्रशासन द्वारा उपलब्ध किया गया। अंचल के लोगों को भरपूर प्रशासन द्वारा उपलब्ध किया गया।

मेदिनीनगर। मुहर्रम पर्व को शांति व सौहार्दपूर्ण मनाने को लेकर रामगढ़ थाना परिसर में सोमवार को बीड़ीओ पार्थ नंदन की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में मुहर्रम पर्व को शांति समिति की बैठक की जाएगी। बैठक में आपसी भाईचारी की जाएगी। मौके पर विवरण के लिए एवं उपरान्त नियम दिया गया। अंचल के लोगों को भरपूर प्रशासन द्वारा उपलब्ध किया गया। अंचल के लोगों को भरपूर प्रशासन द्वारा उपलब्ध किया गया। अंचल के लोगों को भरपूर प्रश

## मणिपुर घटना : केतार में निकाला प्रतिरोध मार्च

नवीन मेल संवाददाता



केतार। सेमवार को केतार बाजार में अब्बेडकर विचार मंच और आदिवासी महासभा के द्वारा मणिपुर में दो आदिवासी महिलाओं के साथ अनाचार एवं हो रही हिंसा के विरोध में केतार बाजार में प्रतिरोध मार्च निकाला गया। सब्जी बाजार से दर्जनों कार्यकर्ता केन्द्र सरकार के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए कपुरी गेट पर पहुंचे और केन्द्र सरकार के विशुद्ध जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया इस अवसर पर समाजसेवी अंजय वर्मा ने कहा की 78 दिन पुर्व मणिपुर में दो आदिवासी महिलाओं को विक्री कर सड़क पर धुमाया गया लेकिन वहाँ की भाजा सरकार और केन्द्र सरकार अंख पर काली पहुंच वाली है। उन्होंने कहा की जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वहाँ उन्होंने कहा की दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होना चाहिए। वहाँ आदिवासी महासभा के युवा नेता छोटन सिंह ने कहा की मणिपुर की घटना सोची समझी राजनीतिक

जाता है वहाँ दुसरी ओर बेटियों को नंगा किया जाता है तो कहीं उनकी वाहन वहाँ की भाजा सरकार इस घटना पर राजनीति की फसल उगा रही है। उन्होंने कहा की मणिपुर की फुलन देवी बनने की जरूरत है। उन्होंने कहा की जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वहाँ उन्होंने कहा की दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होना चाहिए। वहाँ आदिवासी महासभा के युवा नेता छोटन सिंह ने कहा की मणिपुर की साजिश है। केंद्र एवं मणिपुर की भाजा सरकार इस घटना पर उन पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग किया इस सीमें पर आदिवासी महासभा के शिव कुमार सिंह, डा. बीकी भाटी, छोटन सिंह, जसमुदन अंसारी, रेशे राम, बिंदु राम, प्रदीप गुप्ता, कामेश्वर दास, कृष्णा राम, ललू राम सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

## परमात्मा के इच्छा के बिना हम कुछ भी नहीं कर सकते : जीयर स्वामी



नवीन मेल संवाददाता

श्री ब्रैशीर नगर। प्रखंड के पालहे जलपुरा ग्राम में चल रहे प्रवक्तन के दैरेन श्री जीयर स्वामी महाराज ने कहा कि सबसे पहले तो अनर्थ जो जीवन तथा जीवन के व्यवहार में जिस कारण से होता हो उस पर अंकुश लायें। अंकुरामय जीवन न हो, जरूर हम करते हैं लेकिन करने वाला उसी प्रकार से हैं जैसे किसी के योग्य नहीं होते हैं। ऐसा विचार कर अनर्थों को त्याग दे, कर्तव्य करें, लेकिन मैं ही करने वाला हूं, मेरे ही द्वारा होता है, ऐसा भाव नहीं होना चाहिए। जिसका सम्प्रदाय सत्य हो, जो ईश्वर को झूटा मानता हो, पूजा को झूटा मानता हो, अपना पैर धोकर पी रहा हो, कहता है भगवान शालिष्ठम का चरणामूर्त मत पीजिए। इष्टेवशन हो जाया, और अपना पैर धोकर पीरहा है। चल रहा है नवा नवा धर्म ऐसे गुरु बाकी दिन उल्टा काम करते हैं और गदी पर बैठ करके उपदेश देता है। अपना पूजा करते हैं वह कौन सा धर्म है, होगा। भले वह नाचते हैं लेकिन नचने वाला कोई दुसरा है। उसी के इशारे पर कठपुतली नाचता है। ठीक

## मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण को लेकर कार्यशाला का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेंग। उप विकास अयुक्त अरण वांटर सांग की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023-24 से संबंधित सभी बीएलओ, सुपरवाइजर, प्रभारी, प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन समाहरालय सभागार में किया गया है। दौरान मतदाताओं को घर-घर जाकर सर्वेक्षण हेतु निरीक्षण महत्वपूर्ण उद्देश्यों एवं बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। त्रिट्रिहित मतदाता सूची तैयार करने के संबंध में जीवनकारी देते हुए प्रपत्र 6, 7 एवं 8 सुधार करने एवं भावी नये मतदाताओं को मतदाता सूची में निर्बंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जीवनकारी दी गई। तथा इसके अलावा मृत

मतदाताओं को नाम मतदाता सूची से डिलीप्ट करने के लिए जीवनकारी दी गई। उप विकास अयुक्त ने सभी को लगन से कार्य को पूर्ण करने का निर्देश। मौके पर प्रभारी उपनिवार्चन पदाधिकारी शहजाद परवेज, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, बीएलओ सुपरवाइजर, निर्वाचन शाखा को महत्व को प्रती जागरूक किया। उन्होंने संबंधित बुथ क्षेत्र के

जीवनकारी दी गई। साथ ही मतदान केंद्र के मतदाता सूची में अंकित शत प्रतिशत मतदाताओं का भौतिक सत्यापन, मतदान केंद्र के शत-प्रतिशत परिवारों का सत्यापन, एवं मतदान केंद्र क्षेत्र में शत-प्रतिशत पात्र मतदाताओं का मतदाता सूची में निर्बंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जीवनकारी दी गई। तथा इसके बीच के संख्याकार्य किया जाता है। अपांकों की परेशानी नहीं होगी।

लेकिन अब दो अंकित कर्मा का निर्माण कर दिया गया है। इससे छात्रों की परेशानी दूर होगी। साथ ही बच्चों को पढ़ाई का बेहतर माहौल मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमें पता है कि शिक्षा से क्षेत्र का विकास सम्बन्ध है। इसी को ध्यान रखने हुए, शिक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। शिक्षक

बहाली के बाद विद्यालय भवन, शौचालय, पेयजल आदि को दुरुस्त किया जा रहा है। बच्चे मन लगातार पूरी इमानदारी के साथ पढ़ाई करते हैं। आपको किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा की पढ़ाई में कोई चीज बाधा न बने इसको ध्यान में रखते हैं। विद्याकार्य किया जा रहा है। अपांकों के बाइंग एवं बीजी को पढ़ाई में वाध नहीं बनता है। मौके पर पाकरटाड जिप सदस्य जोसिमा खारखा, जिला अध्यक्ष डेविड टिर्को, सिस्टर मीरा, सिस्टर मैरी, सिस्टर प्रफुलित, प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार गुप्ता, सचिव फादर कुमार गुप्ता, सचिव लार्सेन कुमार गुप्ता, प्रधान अध्यक्ष रोहित एक्वा, निर्माण

जिला प्रवक्ता राणधीर रंजन, 20 सूची अध्यक्ष विनय लकड़ा, जिला उपाध्यक्ष शिशिर मिंज, जिला उपाध्यक्ष अजीत लकड़ा, युवा अध्यक्ष रोहित एक्वा, निर्माण

एक्का, जेम्स लकड़ा, पूर्व जिप सदस्य प्रदीप सोरेंग, मारवाड़ी सिंह, पूनम लकड़ा, तैशा एक्का, मुखिया ज्योति लकड़ा, राजू टेटे, संजय नाराची, सोनू नायक,

## गढ़वा

## मानसून की बेरुखी से प्रखंड के किसान चिंतित

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। मानसून की बेरुखी से प्रखंड क्षेत्र के किसान काफी मायूस हैं। उन्हें पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी सुखाड़ की याद सताने लगी है। पायाल वारिश नहीं होने से खेतों में बोए गए विभिन्न प्रजाति के धान के बिछड़े गुखने लगे हैं। साथ ही खेत में लंबी लंबी दराएं ही पड़ना शुरू हो गया है। उमराद के अनुसार अब तक वारिश नहीं होने से किसान सिर्फ और सिर्फ भगवान को याद करने में जुट गए हैं। वे कहते हैं कि हम इस वर्ष भी तो रहम कर नहीं तो हम सभी बेंगीत मारे होकर खेत में ही सुख जाएंगे।

। क्योंकि खेत में नामी की बजाय बाद भादों माह का महीना भी आ जाएगा। लेकिन अब तक क्षेत्र में पर्याप्त वारिश नहीं हो पाई है।

सतान दिन के अंतर मानसून में

सुधार नहीं हुआ तो खेती की तैयारी

हम लोगों की धरी की धरी रह

हुआ तब से ही वारिश का हाना

विलकुल रूप से बढ़ हो गया है।

उन्होंने कहा कि एक बजाय कहीं काले तो कहीं

पीले होकर खेत में ही सुख जाएंगे।

। क्योंकि खेत में नामी की बजाय बिल्कुल रूप से कमर टूट चुका है।

। इस वर्ष भी अगर पर्याप्त मात्रा में

वारिश नहीं हुआ तो हम लोगों के

सामने एक विकट स्थिति उत्पन्न हो

जाएगी। क्योंकि खेत वाजार से

महंगे महंगे दरों पर विभिन्न प्रजाति

के धान लगाता है। वहाँ उसका

अंकुरण के बाद जब उन्हें बढ़ना

हुआ तब से ही वारिश का हाना

विलकुल रूप से बढ़ हो गया है।

उन्होंने कहा कि यह कार्य अंजुरित हुवा

धान का एक बीच विचार करने के

समक्ष उत्पन्न हो गई है।

पिछले

माहों में खेतों में वारिश

में अपने लोगों में आया

विलकुल रूप से बढ़ हो गया है।

। इसी वर्ष भी अगर विभिन्न

प्रजाति के धान लगाता है।

। इसी वर्ष भी अगर विभिन्न

प्रजाति के धान लगाता है।

। इसी वर्ष भी अगर विभिन्न

प्रजाति के धान लगाता है।

। इसी वर्ष भी अगर विभिन्न

प्रजाति के धान लगाता है।

। इसी वर्ष भी अगर विभिन्न

प्रजाति के धान लगाता है।

। इसी



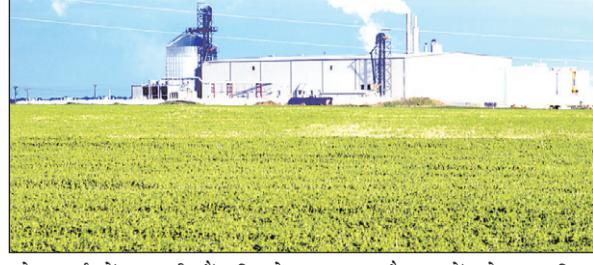


चीनी कंपनी के 8200 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को तुकराया

नई दिल्ली। भारत सरकार ने चीन की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नियामन कंपनी बीवाईडी के एक अबर डॉलर (करीब 8,200 करोड़ रुपए) के निवेश से ई-वाहन संभाल लगाने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। कंपनी ने आपूर्ति भागीदार में इंजीनियरिंग एंड इकार्ट्रिकर लि. (एमईआरएल) के साथ मिलकर तेजानाम में ई-वाहन उत्पादन संभाल लगाने का प्रस्ताव दिया था। सुनी ने सेमानों को बताया कि वारिज्ज एवं वाहन मंत्रालय को यह प्रस्ताव भेजा गया था। इस प्रस्ताव को जरूरी पड़ताल एवं मंत्रीरो के लिए भारी उद्योग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के पास भी भेजा गया था।

## देरा का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम लड़खड़ा सकता है

एजेंसी। नई दिल्ली एथनॉल बनाने के लिए भारतीय खाद्य नियम (एफसीआई) के गोदानों से चावल मिलना बंद होने की खबर है। एथनॉल बनाने वाली डिस्ट्रिलरों ने यह शिकायत करते हुए बताया कि पिछले एक हफ्ते से उन्हें चावल नहीं मिल रहा है। इससे ईंवाहन में एथनॉल मिलाने का देश का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम लड़खड़ा सकता है। चावल को स्टार्च में बदलती है, जिससे सकता है। सुनी के मुताबिक एथनॉल लैवार किया जाता है। उद्योग एफसीआई ने अधिकारिक तौर पर इस भागीदारों ने बताया कि कुछ डिस्ट्रिलरों नियम के पैचों का कारण हो गया है। बताया कि अनाज करती है। चीनी के सीजन में गेने से को बढ़ती कीमतों और 2023-24 कफल वर्ष में एथनॉल मिलाने के लिए एफसीआई से सकता है। और साल के बाकी महीनों में अनाज का इस्टेमाल बढ़ता है। और उनके बाकी के कारण धान की उपज कम रहने की आशका में ही ऐसा किया गया होता है। भी एफसीआई से ही आता है। भी असर पड़े।



है। पिछले सप्ताह निर्णय पर प्रतिवर्ध भी इन्हीं दो करणों से लगाया गया है। संघर्ष करने पर एफसीआई के अधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें देखी किसी निर्देश की जानकारी नहीं है। इस मामलों को देखने वाले एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस मुद्दे पर मीडिया से बात करने का अधिकार उन्हें नहीं दिया गया है। एफसीआई एथनॉल उत्पादकों को 20 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर चावल बेचता है, जो खुले बाजार में बिक्री के 31 रुपए प्रति किलो के भाव से काफी कम है। एथनॉल मिलाने के लिए एफसीआई से सलाना करीब 15 लाख टन चावल की जल्दत होती है। भी मगर उन पर भी असर पड़े।

### GOVT.OF. JHARKHAND OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER Drinking Water & Sanitation Mechanical Division, Gumla Email id- eemechgumla@gmail.com

#### Very Short E-Quotation No. 08/2023-24 (Second call )

Rates through e-quotations are invited for "Material" category for Supplying installation and commissioning of VT pump set having discharge 44000gph and Head 120meters and its accessories at urban water supply (Nagfeni raw water) scheme Gumla . Government of Jharkhand, to be used in different Pumping Plant replacement operation maintenance works shall be submitted online in the website <http://jharkhandtenders.gov.in> . Details and list of materials are available on the above e-tender Portal. The Quotationer may download the documents from the website and quote their firm item rate excluding taxes for the Materials online from 28.07.2023 at 3.30 hrs. to 07.08.2023 at 3.00 hrs. The quotation will be opened on 07.08.2023 at 3.30pm Hours.

The quotation is invited to ascertain and assess the Rate of Materials at par with lowest market rate for framing of Estimates under D. W. & S. Mech. Division, Gumla. Executive Engineer,

D. W. & S. Mechanical Division, Gumla

PR 303217 Water Resource(23-24)D

### कार्यालय नगर परिषद्, चतरा

#### अंतिमतकालीन निवादा आमंत्रण सूचना संख्या-05 / 2023-24

- कार्यालय का नाम :-नगर परिषद्, चतरा।
- विज्ञापनदाता का पठनाम :-कार्यालयक पदाधिकारी, नगर परिषद्, चतरा।
- परिणाम विपत्र विक्री की तिथि :-04.08.2023 को कार्यालय अधिकृत तक।
- निवादा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :- 05.08.2023 को 3:00 बजे अपराह्न तक।
- निवादा खोलने की तिथि एवं समय :-05.08.2023 को 3:30 बजे अपराह्न।
- निवादा खोलने का स्थान :-कार्यालय नगर परिषद्, चतरा।
- परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

7.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि भी घट-बढ़ सकती है।

8.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

9.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

10.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

11.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

12.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

13.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

14.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

15.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

16.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

17.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

18.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

19.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

20.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

21.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

22.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

23.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

24.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

25.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

26.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

27.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

28.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

29.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

30.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

31.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

32.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

33.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

34.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

35.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

36.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

37.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

38.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

39.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

40.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

41.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

42.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

43.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

44.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

45.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

46.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

47.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

48.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

49.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

50.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

51.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

52.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

53.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

54.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

55.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

56.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

57.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

58.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

59.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

60.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

61.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

62.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

63.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

64.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

65.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

66.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

67.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

68.परिणाम विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है।

69.परिणाम विपत्र की राशि घट-ब

## याचिका की सुनवाई व मरांडी

**भाजपा** हाईकमान ने बाबूलाल को प्रदेश की कमान सौंप दी है। भाजपा का मिशन 2024 में पार्टी को जीत दिलाने का पूरा दारोमदार बाबूलाल मरांडी के कंधों पर आ गया है। मरांडी को यह जिम्मेदारी सौंपने से पहले शीर्ष नेतृत्व ने हर पहलू पर गौर किया। लेकिन तकनीकी दृष्टिकोण से विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति सहित नेता प्रतिपक्ष मामले को लेकर दाखिल विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में झारखंड विधानसभा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिय अधिवक्ता कपिल सिंबल ने परैवी की। उनकी ओर से कोर्ट को कहा गया कि नेता प्रतिपक्ष के लिए बीजेपी ने नाम नहीं दिया है। इस पर भाजपा की ओर से कहा गया पहले ही नेता प्रतिपक्ष के नेता के लिए बाबूलाल मरांडी का नाम दिया जा चुका है। इस पर कपिल सिंबल की ओर से कहा गया की बाबूलाल मरांडी जेवीएम पार्टी से जीत कर आये थे, भाजपा के साथ उनके मर्जर के मामले में अभी तक विधानसभा स्पीकर का कोई निर्णय नहीं आया है। नेता प्रतिपक्ष के लिए ऐसे व्यक्ति का नाम दिया जाना चाहिए, जो बीजेपी की सिंबल से लड़ा हो और जीता हो। ऐसे में क्यासों के बादल मंडराने लगे हैं। बात चाहे कानून सम्मत जो हो, लेकिय बीजेपी ने बहुत सोच समझकर यह जवाबदेही मरांडी को दी है। इस लिए सिंबल के बयानों को कानून की धाराओं में जरूर गुथा जाये, लेकिन यह तय है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सामने

मारंडी ही ऐसे नेता हैं जो राज्य में आदिवासी के बढ़े चेहरे हैं। जो हेमंत सोरेन को टक्कर दे सकते हैं। जिसके ऊपर भ्रष्टाचार के कोई दाग नहीं लगे हैं। जिसके पास अनुभव है। बहरहाल राजनीतिक पंडितों की मानें तो इसकी पृष्ठभूमि काफी पहले ही तैयार हो गई थी। 2019 के विधानसभा की हार के बाद से ही सूबे में किसी बड़े आदिवासी चेहरे को लेकर भाजपा नेतृत्व खोजबीन में जुट गया था। ऐसी शक्तिशयत को ढूँढ रहा था जो आदिवासियों का चहेता तो हो ही ओबीसी और अन्य लोगों की नजर में भी स्वीकार्य हो, पिछले विधानसभा चुनाव प्रभारी ओम माथुर ने भरसक प्रयास किया था कि बाबूलाल चुनाव से पहले ही भाजपा में शामिल हो जायें लेकिन उनकी यह काशिश सफल नहीं हो पायी। आखिरकार चुनाव के बाद उन्होंने बाबूलाल को भाजपा में शामिल करवा लिया। बताया जाता है कि बाबूलाल मरांडी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफी करीबी हैं और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पृष्ठभूमि से आने के कारण संघ के भी चहेते हैं। भले ही वह 14 सालों तक झारखण्ड विकास मोर्चा के बैनर तले काम करते रहे लेकिन उनका जुड़ाव पुराने भाजपा नेताओं कार्यकर्ताओं से बना रहा। 2006 के बाद हर विधानसभा चुनाव में ऐसी बात जरूर राजनीतिक हल्कों में आती रही कि बाबूलाल फिर से भाजपा में शामिल हो सकते हैं। बाबूलाल का भाजपा छोड़ने के पीछे कारण चाहे जो भी रहा हो अपी पार्टी को ऐसे चेहरे की आवश्यकता थी जो सत्ताधारी पार्टी जेएमएम के सबसे बड़े चेहरे और राज्य में सत्ता का चेहरा हेमंत सोरेन को टक्कर दे सके। इन सबके बीच बड़ी दिलचस्प बात यह है कि बाबूलाल ने हेमंत सोरेन के पिता शिवू सोरेन को उनके राजनीतिक गढ़ में टक्कर दी थी। 1991 में बाबूलाल ने दुमका सीट से शिवू सोरेन के खिलाफ चुनाव लड़ा था, हालांकि वो चुनाव हार गए थे लेकिन 1998 में उन्होंने शिवू सोरेन को शिकस्त दी। लगभग दो दशक के बाद एक बार फिर बाबूलाल के सामने शिवू सोरेन के राजनीतिक उत्तराधिकारी हेमंत सोरेन हैं।

**सबसे बड़ा सवाल, एआई क्या बला...  
जिससे गैरी कास्परोव खा चुके हैं मात**

आजकल जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में एआई का उपयोग किये जाने की चर्चा हो रही है। इसलिए स्वाभाविक रूप से हम सभी के मन में प्रश्न उठता है कि ये एआई या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धि वास्तव में हैं क्या और बुद्धि कृत्रिम कैसे हो सकती है? हिंदी के कृत्रिम शब्द का अर्थ है बनावटी यानी जो मूल नहीं है नकल है। यही अर्थ आंग्ल भाषा के शब्द आर्टिफिशियल का भी है। अतः स्पष्ट है कि कृत्रिम रूप से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता ही कृत्रिम बुद्धि अथवा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है, जिसे संक्षेप में एआई कहते हैं। एआई के माध्यम से कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है, जिसे उन्हीं तर्कों के आधार पर चलाने का प्रयास किया जाता है जिनके आधार पर मानव मस्तिष्क काम करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का आरम्भ 1950 के दशक में हुआ था। इसका जनक जॉन मैकार्थी को माना जाता है। उनके अनुसार एआई बुद्धिमान मशीनों, विशेष रूप से बुद्धिमान कंप्यूटर प्रोग्राम बनाने का विज्ञान और अभियांत्रिकी है। अर्थात् यह मशीनों में विकसित और मशीनों द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली अथवा मशीनों द्वारा प्रदर्शित की जाने वाली बुद्धि है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट या फिर मनुष्य की तरह बौद्धिक रूप से सोचने वाला सॉफ्टवेयर बनाने का एक तरीका है जो यह अध्ययन करता है कि मानव मस्तिष्क कैसे सोचता है और समस्या को हल करते समय कैसे सीखता है, कैसे निर्णय लेता है और कैसे काम करता है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले सिस्टम ने 1997 में शतरंज के सार्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक गैरी कास्प्रोव को खेल में हरा दिया था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर विशेषज्ञ 'टेक्नोलॉजिकल सिंगलरिटी' यानी तकनीकी एकलता जैसी स्थिति बनने का संकेत करते हैं। इसका तात्पर्य है भविष्य में एसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की रचना की जाएगी, जो मनुष्यों के मस्तिष्क से अधिक तीक्ष्ण होगी और यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता समस्याओं के समाधान बहुत तीव्रता से कर सकेगी, जो कि मनुष्यों की क्षमता से परे है। अनुमान है कि 2045 तक मशीनें स्वयं सीखने वाली और स्वयं को सुधारने में सक्षम होंगी जाएंगी और इतनी तेज गति से सोचने, समझने और काम करने लगेंगी कि मानव विकास का पथ हमेशा के लिये बदल जाएगा। भारत में केंद्र में भाजपा की सरकार आने के बाद एआई के कार्य को गति पिली। वर्ष 2018-19 के बजट भाषण के दौरान तकालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली ने यह उल्लेख किया था कि नीति आयोग जल्दी ही राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम (एनएआईपी) की रूपरेखा तैयार करेगा। राष्ट्रीय स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने के लिये नीति आयोग के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। वर्तमान बजट में सरकार ने फिप्थ जनरेशन टेक्नोलॉजी स्टार्टअप के लिये 480 मिलियन डॉलर का प्रावधान किया है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन

लनिंग इंटरनेट ऑफ थिंग्स, थ्री-डी प्रिंटिंग और ब्लॉक चेन शामिल हैं। इसके अलावा सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, डिजिटल मैन्युफूरिंग, बिग डेटा इंटेलिजेंस, रियल टाइम डाटा और क्वांटम कम्युनिकेशन के क्षेत्र में शोध, प्रशिक्षण, मानव संसाधन और कौशल विकास को बढ़ावा देने के योजना बना रही है। पिछले वर्ष अक्टूबर में केंद्र ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग करने के लिये सात सूत्री रणनीति तैयार की थी।

# करगिल विजय दिवस पर नायकों को नमन



शक्ति, तो पखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊँचाई पर लड़ा गया, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊँचाई पर स्थित थीं। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की अपेक्षा देना उत्तेजक प्रतिज्ञा

1

इन दिनों

भारतीय सेना को 3 मई 1999 कारगिल में स्थानीय चरवाहे पाकिस्तानी सैनिकों आतंकवादियों के बारे में बताया गया था और उसके बाद 5 मई 1999 पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम पांच जवानों को मार डाला था। उसके बाद 15 मई 1999 को भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन विजय' की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल

पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ। भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के

## हंगामे व गतिरोध के बीच गरिमा खोते संसदीय मंच

भारत की संसदीय प्रणाली दुनिया में लोकप्रिय एवं आदर्श है, बावजूद इसके सत्ता की आकांक्षा एवं राजनीतिक मतभेदों के चलते लगातार संसदीय प्रणाली को धुंधलाने की घटनाएं होते रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। अब संसद की कार्रवाई को बाधित करना एवं संसदीय गतिरोध आमबात हो गयी है। न केवल संसद बल्कि राज्यों की विधानसभाओं में सुचित रूप से विधायी कार्य न हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण है। संसद एवं विधानसभाएं ऐसे मंच हैं जहां विरोधी पक्ष के सांसद एवं विधायक आलोचना एवं विरोध प्रकट करने के लिये स्वतंत्र होते हैं, लेकिन विरोध प्रकट करने का असंसदीय एवं आक्रामक तरीका, सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तकरार और इन स्थितियों से उत्पन्न संसदीय गतिरोध लोकतंत्र की गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अपने विरोध को विराट बनाने के लिये सारथक बहस की बजाय शोर-शराबा और नरेबाजी की स्थितियाँ कैसे लोकतांत्रिक कही जा सकती है? दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की विधायिकाओं में जो दृश्य देखने को मिल रहे हैं, वे सचमुच चिंताजनक हैं। हालत यह है कि हंगामे व शोर-शराबों के दौर में न संसद का सत्र चल पा रहा है और न ही राज्यों की विधानसभाएं। संसद से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक तस्वीर एक जैसी सामने आ रही है। राज्यसभा के सभापति ने आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को अमर्यादित आचरण के आरोप में पूरे सत्र के लिए तो राजस्थान में भी तीन दिन पहले तक मंत्री रहे राजेन्द्र गुदा और विधायक दल भाजपा के विधायक मदद दिलावर को शेष सत्र के लिए निलम्बित कर दिया गया। संसद में हुड़दंग मचाने, अभद्रत प्रदर्शित करने एवं हिंसक घटनाओं को बल देने के परिदृश्य बार-बार उपस्थित होते रहने भारतीय लोकतंत्र की गरिमा से खिलवाड़ ही माना जायेगा। सफल लोकतंत्र के लिए सत्ता पक्ष के साथ ही मजबूत विपक्ष की भूमिका जरूरत होती है। लेकिन पक्ष एवं विपक्ष दोनों ही लोकतंत्र को दूषित करने में लगे हैं। यह देखना दुखद, दयनीय और शर्मनाक है कि मणिपुर को लेकर देश-दुनिया में तो चर्चा हो रही है, लेकिन भारत की संसद में नहीं। यह चर्चा न हो पाने के लिए जिम्मेदार है शुद्ध राजनीति और एक-दूसरे के कठघरे में खड़ा करने की प्रवृत्ति। संसद के तीन दिन बर्बाद हो गए। लेकिन मणिपुर पर चर्चा शुरू नहर्छ हो सकी। विपक्ष गृहमंत्री से पहले प्रधानमंत्री का वक्तव्य चाहता है यह जिद चर्चा से बचने का बहाना ही अधिक जान पड़ती है, व्योमिंग एक तो प्रधानमंत्री मणिपुर का घटना पर पहले ही बोल चुके हैं और दूसरे, सत्तापक्ष की ओर से यह नहीं कहा गया कि वह आपने इस विषय पर कुछ नहीं कहना चाहिए, जे वाले। लेकिन विपक्ष ने ठान लिया है कि वही होना चाहिए, जे उसकी ओर से कहा जा रहा है जबकि सत्तापक्ष की ओर से बार-बार यह कहा जा रहा है कि मणिपुर सहित अन्य जरूरी मुद्रे पर यदि चर्चा के लिए समय कम पड़ा और उसे बढ़ाने का

संसद की कार्रवाई को  
बाधित करना एवं  
संसदीय गतिरोध आमबात  
हो गयी है। न केवल  
संसद बल्कि राज्यों की  
विधानसभाओं में समुचित  
रूप से विधायी कार्य न  
हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

१०

आवश्यकता पड़ी तो यह काम किया जा सकता है, इससे यही प्रतीत होता है कि विपक्ष संसद में ऐसा माहौल बना देना चाहता है कि आम जनता को लगे कि सरकार मणिपुर पर चर्चा करने से बच रही है। शायद इसीलिए विपक्षी नेता संसद परिसर में प्रदर्शन करने और दोनों सदनों में नारेबाजी को अतिरिक्त प्राथमिकता दे रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियाँ मध्यप्रदेश और राजस्थान की विधानसभाओं में देखने को मिल रही है।



# नीट यूजी की काउंसलिंग में एडमिशन से पहले इनसे रहें सतर्क

**इ**स साल नीट की परीक्षा 20 लाख 38 हजार छात्रों ने दी है। जिनमें से कुल 11 लाख 45 हजार छात्रों ने नीट बवालिफाई किया है। सरकारी और प्रावेंट दोनों ही मेडिकल कॉलेजों में काउंसलिंग के माध्यम से एडमिशन लिया जाएगा। इस साल नीट की परीक्षा 20 लाख 38 हजार छात्रों ने दी है। जिनमें से कुल 11 लाख 45 हजार छात्रों ने नीट बवालिफाई किया है। वहीं मध्यप्रदेश से 1,02,161 छात्र इस परीक्षा में बैठे थे और 49, 924 छात्रों ने इसे बवालिफाई किया है। अब यदि इन छात्रों की काउंसलिंग अच्छी हुई तो इनकी च्याइस के अनुसार कॉलेज मिलने की संभावना है। बता दें कि साल 2022 में 55,561 छात्रों ने नीट की परीक्षा

दी थी। इनमें में साल 2022 में महज 27,134 बच्चे बवालिफाई हुए थे। उस तरह से इस साल बवालिफाई छात्रों की संख्या ज्यादा है।

## काउंसलिंग के द्वारा एडमिशन

सरकारी और प्रावेंट दोनों ही मेडिकल कॉलेजों में काउंसलिंग के माध्यम से एडमिशन लिया जाएगा। यदि कोई बिना काउंसलिंग के एडमिशन विलापन का दावा करता है, तो स्टूडेंट्स को ऐसे ज्ञास में आने से बचना चाहिए। बता दें कि काउंसलिंग के द्वारा राठड़ेस होते हैं। सबसे पहले छात्रों को अलै इंडिया काउंसलिंग के लिए सेकेंड राठड़े

होते हैं। बता दें कि अलै इंडिया फर्स्ट राठड़े के बाद स्टेट का फर्स्ट राठड़े होता है। इसी तरह से सेकेंड राठड़े भी होता है। जिन छात्रों को फर्स्ट राठड़े में अच्छा कॉलेज नहीं मिल पाता है। वह अप्रोफेशन के लिए सेकेंड राठड़े में अल्पाई कर सकते हैं।

## एम्बीबीएस सीटें

सरकारी कॉलेज- 60 हजार सीटें प्रावेंट कॉलेज- 60 हजार सीटें टोटल सीट- 1 लाख 20 हजार इसके अलावा स्टेट कॉलेजों की 100 सीटों में 85 सीटें राज्य के लिए और बाकी बची 15 सीटें अलै इंडिया कॉलेज के लिए अल्पाई करना होता है। वहीं पहले छात्रों को अलै इंडिया काउंसलिंग के लिए एडमिशन लिया जाएगा। यदि कोई बिना काउंसलिंग के एडमिशन विलापन का दावा करता है, तो स्टूडेंट्स को ऐसे ज्ञास में आने से बचना चाहिए। बता दें कि काउंसलिंग के द्वारा राठड़ेस होते हैं। सबसे पहले छात्रों को अलै इंडिया काउंसलिंग के लिए सेकेंड राठड़े में अल्पाई करना होता है। वहीं पहले राठड़े में जो सीटें खाली रह जाती हैं,

उनके लिए दूसरी लिस्ट निकलती है।

## विदेश में मेडिकल पढ़ाई

कुछ एजेंट छात्रों को विदेश में एम्बीबीएस की पढ़ाई का ज्ञास देते हैं। ऐसे में छात्रों को इन एजेंट से बचकर रहना चाहिए। क्योंकि विदेश से मेडिकल की पढ़ाई करके वापस रेस आने के बाद प्रैक्टिकल में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इसके साथ ही कम से कम में फीस 20-25 लाख सालाना होने के साथ पूरी पढ़ाई के लिए 1 करोड़ तक का खर्च आता है। वहीं देश में वापस की ओर यांत्रिकी में एडमिशन लेने में परेशानी होती है। इसके अलावा प्रैक्टिस के लिए भी स्क्रीनिंग टेस्ट पास करने के बाद लाइसेंस मिलता है। साथ ही रूस और ईस्टर्न यूरोपियन देशों

कजाकिस्तान, युक्रेन में तो और भी ज्यादा संकट है।

## जुलाई में होगी नीट काउंसलिंग

मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन लेने के लिए नीट यूजी की काउंसलिंग जुलाई में होती है। जिसके लिए आपको ऑफिशियल वेसाइट mccc.nic.in पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसकी काउंसलिंग दो लेवल पर की जाएगी। इससे अलै इंडिया कोटा की 15 फीसदी सीटें, डीप्ट विश्वविद्यालयों और एफएमसी में सीटों में दखिला मिलेगा।

## जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

सरकारी संस्थानों में जहां शुल्क

कम है, तो वहां प्राइवेट कॉलेजों में फीस ज्यादा है। वहां कई स्टूडेंट्स अगले साल नंबर लाने की उम्मीद में और सकारी कॉलेज के लिए अपनी सीट छोड़ दें। या फिर छात्र प्राइवेट कॉलेज के ज्ञासे में आ जाते हैं। ऐसे में धोखाधड़ी से बचने के लिए नीट गाइडलाइन का पालन करना जरूरी है। अगर आपको नीट में दो प्रयासों के बारे बाद भी सरकारी कॉलेज नहीं मिल रही है। तो आप साल ड्रॉप करने के कोई फायदा नहीं है। इसके अलावा नीट यूजी 2023 के एजाज में एम्पर्सी ने आयुसीमा और टाई ब्रिंग नियमों में बदलाव किए गए हैं। छात्रों की उम्र 31 जनवरी को या उम्र 30 पहले 17 साल की होनी चाहिए।

- अनन्या मिश्रा

## एक सतत भविष्य के लिए भूजल संरक्षण



प्रबंधन में सुधार करना है। यह योजना समुदाय को स्थायी भूजल प्रबंधन के लिए व्यवहार परिवर्तन को विकसित करने के उद्देश्य के साथ निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। अटल भूजल योजना ने देश में भूजल प्रबंधन संबंधीत सरकारी नीट में मुख्य रूप से जल आपर्ति को बढ़ावा देने के मद्देनजर उपयोगों के लिए पानी की मांग को कम करने और संक्रिया सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक आदर्श बदलाव की शुरूआत की। इस योजना में शामिल 'भूजल प्रबंधन', जल संरक्षण सुनिश्चित करने, परिस्थितिक तंत्र के संतुलन और इस विकासशाली राज्य की जीते से बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए अवश्यक है भारत सरकार इसके माध्यम से जल सकट में कमी लाना, परिस्थितिकी तंत्र और आजीविका के साथों को संरक्षित करना चाहती है। यह योजना वर्तमान और भविष्य की संरक्षण के लिए भूजल संरक्षण के प्रति समर्पण संसाधन को संरक्षित करने से जुड़ी सामिलिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश होता है। यह योजना राज्यों-हरियाणा, अटल जल जल करने के लिए भूजल करती है।

गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के महत्व के ध्यान में रखते हुए 5 वर्षों की अवधि के लिए 1 अप्रैल, 2020 को 6000 करोड़ रुपये (भारत सरकार की 3000 करोड़ रुपये और 3000 करोड़ रुपये विवर बैंक की ओर से) के कुल परिव्यवहार की ओर से एक महत्वपूर्ण संसाधन को संरक्षित करने से जुड़ी सामिलिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश दालती है।

## यूटोकु नवताल- 6772

					सरल	
7	9	4	2	6	3	
6		8	7		2	
4	1			3	5	8
9	8	3			9	7
7	4		5	8		1
				9	7	3
8	5	7			4	6
2		9	1		5	
3	1		6	8	9	7

## सूटोकु नवताल- 6771 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक धरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो। इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहली की केवल एक ही हल है।

## सूटोकु नवताल- 6771 का हल

## दैनिक पंचांग



रिज्यूम बनाते समय इन बातों का रखें खास ख्याल, एआई की मदद से बनाए अट्रैक्टिव सीवी

उम्मीदवारों को शॉटलिंग करता है। ऐसे में सीवी का बेस्ट हो जरूरी होता है। ताकि एचआर पर अच्छी इंप्रेशन पड़ सके। क्योंकि आपकी सीवी से ही आपके बारे में पता चलता है। यह आपका प्रभाव भी छोड़ता है। इसलिए सीवी को अट्रैक्टिव और क्रिएटिव होना चाहिए। रिकूटर को आपकी सीवी से आनुभव और क्वालिफिकेशन के बारे में पता चलता है। ऐसे में अगर आप भी अपनी सीवी को एट्रैक्टिव और क्रिएटिव बनाना चाहते हैं। तो सबसे पहले अपनी सीवी या रिज्यूम बनाना होता है। क्योंकि रिज्यूम या सीवी के आधार पर इंटरव्यू वाली कंपनी अपनी शैक्षणिक योग्यता और अन्य जानकारियों प्राप्त करते हैं। इसलिए आपको अपना रिज्यूम ऐसा बनाना चाहिए। जिसको देखने के बाद इंटरव्यू लेने वाले पर आपका अच्छा प्रभाव पड़े। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्पणी के बारे में बताएं। जांब एक एस्परियंस पर केंपिंग का चैर जीटीपी में लिखकर कंटर बाजाले। अपनी सीवी में दबाव लेने वाले अंगरेजी के बारे में बताएं। अंगरेजी के बारे में बताएं। अंगरेजी के बारे में बताएं। अंगरेजी के बारे में बताएं।

## इन बातों का रखें ध्यान

- वर्क एक्सपरियंस पर केंपिंग का चैर।
- इंडस्ट्री की नॉलेज के बारे में बताएं।
- ग्रोथ को इन्वेस





